भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग रिसर्च के लिए आईआईटी भुवनेश्वर और रैबिसन्स फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन

भुवनेश्वर, 17 जून 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर और क्योंझर स्थित चैरिटेबल ट्रस्ट रैबिसन्स फाउंडेशन ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू का उद्देश्य कई क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) और अन्य प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देना है जिससे समाज को लाभ होगा और छात्रवृत्ति कोष की स्थापना में सहायता मिलेगी। इन गतिविधियों को एआई और एचपीसी रिसर्च सेंटर (एएचआरसी), आईआईटी भुवनेश्वर के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा।

उपस्थित लोगों में रैबिसन्स फाउंडेशन के ट्रस्टी और दानकर्ता श्री सरोज कुमार पटनायक, बीओजी सदस्य श्री सत्यब्रत पांडा और निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर शामिल थे, जिन्होंने दानकर्ता को एएचआरसी से जोड़ने में मदद की, और एएचआरसी केंद्र-निदेशक प्रोफेसर अश्विनी नंदा शामिल थे। एमओयू के अनुसार, रैबीसंस फाउंडेशन वित्तीय वर्ष 2024-25 में एएचआरसी को कुल 25 करोड़ रुपये का फंडिंग योगदान प्रदान करेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री पटनायक ने आशा व्यक्त की कि यह फंड समाज में प्रौद्योगिकी अनुसंधान के लाभों को लाने और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में मदद करेगा। श्री पांडा ने कहा कि यह केवल एक शुरुआती बिंदु है और कामना करते हैं कि एक दिन आईआईटी भुवनेश्वर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में गिना जाएगा। प्रो. करमलकर ने उल्लेख किया कि संस्थान सभी क्षेत्रों, जैसे ज्ञान का सृजन, प्रसार और अनुप्रयोग, धन सृजन और उत्कृष्ट शिक्षकों का विकास, को सख्ती से आगे बढ़ा रहा है। प्रो नंदा ने एएचआरसी की गतिविधियों का जिक्र किया।

एएचआरसी में रैबिसन्स फाउंडेशन द्वारा समर्थित कार्य के दायरे में शामिल होंगे:

1. एआई, एचपीसी और अन्य प्रौद्योगिकियों के उपयोग से जुड़े अनुसंधान एवं विकास, नवाचार, उद्यमिता, सेवाओं और उत्पादों में उन्नति। लक्षित अनुप्रयोग क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, सहायक प्रौद्योगिकियाँ, स्मार्ट शहर, हरित ऊर्जा, कला/संस्कृति/विरासत, बुनियादी ढाँचा, व्यवसाय, वित्त और सामाजिक या आर्थिक महत्व के अन्य क्षेत्र शामिल होंगे।

2. 'रैबिसन्स फाउंडेशन-एएचआरसी छात्रवृत्ति' नाम से एक स्थायी निधि की स्थापना, जिसके ब्याज का उपयोग विभिन्न धाराओं में आईआईटी भुवनेश्वर के 8 से 10 आर्थिक रूप से विकलांग नियमित और मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति देने के लिए किया जाएगा।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एएचआरसी मई 2023 में आईआईटी भुवनेश्वर में स्थापित एक अंतःविषय और सहयोगी अनुसंधान केंद्र है, जिसमें इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, चिकित्सा, कृषि, बुनियादी विज्ञान, वित्त, अर्थशास्त्र और अन्य क्षेत्रों के विभिन्न क्षेत्रों के शोधकर्ता एक साथ आए हैं। उद्योग और समाज के सामने आने वाली समस्याओं का एकीकृत और व्यापक समाधान खोजें।